नाम – शरद भट्ट
मो0नं0 – 8081753166

सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में युवाओं की भूमिका

प्रस्तावना–

परिवर्तन प्रकृति का नियम है इसी प्रकार अपना देश परिवर्तन की दहलीज पर खड़ा है अंतरराष्ट्रीय समुदाय की बैठक में 17 सदस्य तथा 169 उद्देश्यों के ऊपर विचार विमर्श किया परिणाम स्वरूप 1 जनवरी 2016 को यह पारित किया गया वर्ष 2015 में इस पर बैठक बुलाई गई थी।

सतत विकास लक्ष्य–

सतत विकास लक्ष्य का अर्थ है निरंतर अपने देश को विकास की ओर अग्रसर करना प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध उपयोग बहुत हानिकारक है तथा यह हमारे आने वाले पीढ़ियों के लिए भी नुकसानदायक हैं हमें जितना जरूरत हो उतना ही हमें प्रकृति संसाधनों का उपयोग करना चाहिए नहीं तो आने वाली पीढ़ियां इस अमृत्तुल्य के संसाधनों से वंचित हो जाएंगी।

ैक्ळ ै;नेजंपदंइसम कमअमबसवचउमदज ळवंसद्ध की बैठक 2015 में बुलाई गई तथा 1 जनवरी 2016 को न्छक्च ;न्दपजमक दंजपवद कमअसवचउमदज चतवहतंउमद्ध के अंतर्गत यह नियम पूरे विश्व में चलाया गया इसमें 17 सतत विकास लक्ष्य तथा 169 उद्देश्य निहित हैं जो निम्न प्रकार हैं।

1. स्वास्थ्य एवं पोषण
2. शिक्षा एवं नियम
3. बेरोजगारी
4. खाद्य सामग्री
5. साफ–सफाई
6. अस्पताल में उपचार हेतु उचित अस्पताल
7. आर्थिक समस्या
8. व्यवसाय
9. पर्यावरण दूषित
10. जल

आदि कई सतत विकास के लक्ष्य के अंतर्गत आता है।

सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में युवा की भूमिका–

शिक्षा के दृष्टिकोण से यह देखा जाए तो बहुत से ऐसे देश शहर आदि हैं जो शिक्षा में बहुत पीछे हैं या अभी उन लोगों तक शिक्षा प्राप्त करने का कोई साधन नहीं है जो इसे भोजपुरी सहारा यह सब ऐसे शहर है जो शिक्षा के दृष्टिकोण से बहुत पीछे हैं अभी तक पाया गया है कि अन्य विषयों तथा गणित में पूर्ण रुप से बचता नहीं प्राप्त की है बहुत से ऐसे शहर है जहां इच्छा ही नहीं और अन्य दैनिक संकटों से जूझ रहे हैं सतत विकास लक्ष्य अगले 15 साल तक इन्हीं विकास को लेकर कार्य करेगा जो 2030 में पूर्ण होगा युवा भी आगे बढ़कर इन सभी लक्ष्यों को पूर्ण करने में सहायता प्रदान करेगा बहुत से संकट है जो इन सतत विकास लक्ष्यों द्वारा ही दूर किया जा सकता है जब वह अपने छोटे भाइयों एवं बहनों को इस प्रकार की जानकारी देगा तब वह भी इसमें अपना योगदान करेंगे शिक्षा के दृष्टिकोण से भारत ही नहीं अन्य देश भी और दक्षता नहीं प्राप्त किया है युवा ही देश के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों को इसके बारे में बता सकते हैं कई शहर ऐसे हैं जहां के लोग अभी भी टीकाकरण नहीं करवाते हैं जो कि देश में भ्रांतियां बहुत हैं युवा ही इन सभी को इसके लिए उत्तेजित कर सकता है युवा का कर्तव्य है कि वह अपने समाज अपने देश अपनी पृथ्वी मां को बचा सकता है युवा ही देश समाज को उन्नति के पथ पर अग्रसर कर सकता है युवाओं को अपने समाज के बड़े बुजुर्गों को एकत्रित करके इन सभी प्रकार की जानकारियां देनी चाहिए तभी इस देश समाज का विकास संभव है।

<u>युवा शक्ति–</u>

युवा अपने समाज को प्रेषित करके इस सतत विकास लक्ष्य की योजना को सफल बना सकता है युवा को एकत्रित होकर विभिन्न समाजों में जाकर पर्यावरण जल प्रदूषण वायु प्रदूषण टीकाकरण के लिए प्रेरित कर सकता है युवाओं को खुद पोषण तत्वों को लेकर स्वस्थ रहना पड़ेगा तभी वह देश के विभिन्न शहरों में जाकर शिक्षा व अन्य लक्ष्यों के लिए प्रेरित करेगा युवा ही अपने देश की परिस्थितियों को समझ सकता है तथा वह लोगों को प्रेरित कर सकता है युवाओं को अपने कर्तव्य को नहीं भूलना चाहिए वह अपने समाज को आगे ले जाए अपने समाज में बहुत प्रकार की समस्याएं हैं लोग आर्थिक संकटों की वजह से अपने बच्चों की शिक्षा नहीं दिलाते हैं परंतु वह यह नहीं जानते हैं कि देश की सरकार गांव–गांव प्राथमिक विद्यालय माध्यमिक विद्यालय संचालित हो रहे हैं जिसमें किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं पड़ता है वह अपने बच्चों को भेजकर वह उन्हें शिक्षा से अछूता नहीं देखेंगे युवा ही बुद्धि कौशल अच्छी होती है जो समाज के इस के बारे में बता कर उन्हें विकास के पथ पर अग्रसर करेंगे।

<u>युवा की एक बुद्धिमता पूर्ण सोच–</u>

युवा वर्ग भिन्न–भिन्न देशों में यात्रा करते रहते हैं जो कि एक बुजुर्ग वर्ग के लिए बहुत ही कठिन कार्य है युवा वर्ग की बुद्धि नहीं हम सोच भी नहीं होती है जो इस देश को बदल देगा और यह परिवर्तन युवा ही करेगा यहीं पर मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं।